SYLLABUS

मनोविज्ञान

1. मनोविज्ञान का उद्भव

कुछ प्रमुख पूर्वी प्रणालियों में मनोवैज्ञानिक विचार: भगवद गीता, बौद्ध धर्म, सूफीवाद और एकात्म योग। भारत में शैक्षणिक मनोविज्ञान: स्वतंत्रता पूर्व युग; स्वतंत्रता के बाद का युग; 1970 का दशक: सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की दिशा में कदम; 1980 का दशक: स्वदेशीकरण; 1990 का दशक: प्रतिमान संबंधी चिंताएँ, अनुशासनात्मक पहचान संकट; 2000 का दशक: शिक्षा जगत में भारतीय मनोविज्ञान का उदय। मुद्दे: औपनिवेशिक मुठभेड़; उपनिवेशवाद के बाद और मनोविज्ञान; अलग अनुशासनात्मक पहचान का अभाव। पश्चिमी: ग्रीक विरासत, मध्यकालीन काल और आधुनिक काल। संरचनावाद, कार्यात्मकता, मनोविश्लेषण, गेस्टाल्ट, व्यवहारवाद, मानवतावादी अस्तित्ववादी, ट्रांसपर्सनल, संज्ञानात्मक क्रांति, बहुसंस्कृतिवाद। शैक्षणिक मनोविज्ञान के चार संस्थापक मार्ग - वुंड्ट, फ्रायड, जेम्स, डिल्थे। मुद्दे: प्रयोगात्मक विश्लेषणात्मक प्रतिमान (तार्किक अनुभववाद) के सख्त पालन के कारण मनोविज्ञान में संकट। आधुनिक मनोविज्ञान पर भारतीय प्रभाव। ज्ञान प्रतिमानों के आवश्यक पहलू: ऑन्टोलॉजी, ज्ञानमीमांसा और कार्यप्रणाली। पश्चिमी मनोविज्ञान के प्रतिमान: प्रत्यक्षवाद, उत्तर-प्रत्यक्षवाद, आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, सामाजिक निर्माणवाद, अस्तित्ववादी परिघटना विज्ञान और सहकारी जांच। प्रतिमान विवाद। मनोवैज्ञानिक ज्ञान पर महत्वपूर्ण भारतीय प्रतिमान: योग, भगवद गीता, बौद्ध धर्म, सूफीवाद और एकात्म योग। विज्ञान और आध्यात्मिकता (अविद्या और विद्या)। भारतीय मनोविज्ञान में आत्म-ज्ञान की प्रधानता।

2. शोध पद्धति और सांख्यिकी

शोध: अर्थ, उद्देश्य और आयाम। शोध समस्याएं, चर और परिचालन परिभाषाएँ, परिकल्पना, नमूनाकरण। अनुसंधान के संचालन और रिपोर्टिंग में नैतिकता अनुसंधान के प्रतिमान: मात्रात्मक, गुणात्मक, मिश्रित तरीके दृष्टिकोण अनुसंधान के तरीके: अवलोकन, सर्वेक्षण [साक्षात्कार, प्रश्नावली], प्रयोगात्मक, अर्ध-प्रायोगिक, क्षेत्र अध्ययन, क्रॉस-सांस्कृतिक अध्ययन, घटना विज्ञान, ग्राउंडेड सिद्धांत, फोकस समूह, कथाएं, केस अध्ययन, नृवंशविज्ञान मनोविज्ञान में सांख्यिकी: केंद्रीय प्रवृत्ति और फैलाव के उपाय। सामान्य संभाव्यता वक्र। पैरामीट्रिक [टी-टेस्ट] और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण [साइन टेस्ट, विलकॉक्सन हस्ताक्षरित रैंक टेस्ट, मान-व्हिटनी टेस्ट, क्रुस्कल-वालिस टेस्ट, फ्रीडमैन]। शक्ति विश्लेषण। प्रभाव का आकार। सहसंबंध विश्लेषण: सहसंबंध [उत्पाद क्षण, रैंक ऑर्डर], आंशिक सहसंबंध, बहु सहसंबंध। विशेष सहसंबंध विधि कारक विश्लेषण: मान्यताएँ, विधियाँ, रोटेशन और व्याख्या। प्रायोगिक डिज़ाइन: एनोवा [वन-वे, फैक्टोरियल], रैंडमाइज़्ड ब्लॉक डिज़ाइन, दोहराए गए माप डिज़ाइन, लैटिन स्क्वायर, कोहोर्ट अध्ययन, समय श्रृंखला, MANOVA, ANCOVA। एकल-विषय डिज़ाइन।

3. मनोवैज्ञानिक परीक्षण

परीक्षणों के प्रकार परीक्षण निर्माण: आइटम लेखन, आइटम विश्लेषण परीक्षण मानकीकरण: विश्वसनीयता, वैधता और मानदंड परीक्षण के क्षेत्र: बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता, तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक परीक्षण, योग्यता, व्यक्तित्व मूल्यांकन, रुचि सूची दृष्टिकोण पैमाने - शब्दार्थ अंतर, स्टेपल्स, लिकर्ट स्केल। कंप्यूटर आधारित मनोवैज्ञानिक परीक्षण विभिन्न सेटिंग्स में मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अनुप्रयोग: नैदानिक, संगठनात्मक और व्यवसाय, शिक्षा, परामर्श, सैन्य। कैरियर मार्गदर्शन।

4. व्यवहार का जैविक आधार

संवेदी तंत्र: सामान्य और विशिष्ट संवेदनाएं, रिसेप्टर्स और प्रक्रियाएं न्यूरॉन्स: संरचना, कार्य, प्रकार, तंत्रिका आवेग, सिनैप्टिक ट्रांसमिशन। न्यूरोट्रांसमीटर। केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र - संरचना और कार्य। न्यूरोप्लास्टिसिटी। फिजियोलॉजिकल साइकोलॉजी के तरीके: आक्रामक तरीके - शारीरिक तरीके, अध: पतन तकनीक, घाव तकनीक, रासायनिक तरीके, माइक्रोइलेक्ट्रोड अध्ययन। गैर-आक्रामक तरीके - ईईजी, स्कैनिंग तरीके। पेशी और ग्रंथि प्रणाली: प्रकार और कार्य प्रेरणा का जैविक आधार: भूख, प्यास, नींद और सेक्स। भावना का जैविक आधार: लिम्बिक प्रणाली, व्यवहार का हार्मोनल विनियमन। आनुवंशिकी और व्यवहार: गुणसूत्र संबंधी विसंगतियाँ; प्रकृति-पोषण विवाद [जुड़वां अध्ययन और दत्तक ग्रहण अध्ययन] 5. ध्यान, धारणा, सीखना, स्मृति और भूलना ध्यान: ध्यान के रूप, ध्यान के मॉडल धारणा: धारणा के अध्ययन के दृष्टिकोण: गेस्टाल्ट और शारीरिक दृष्टिकोण अवधारणात्मक संगठन: गेस्टाल्ट, आकृति और जमीन, संगठन का नियम अवधारणात्मक स्थिरता: आकार, आकृति और रंग; भ्रम रूप, गहराई और आंदोलन की धारणा धारणा में प्रेरणा और सीखने की भूमिका संकेत पहचान सिद्धांत: धारणाएं और अनुप्रयोग अचेतन धारणा और संबंधित कारक, धारणा के लिए सूचना प्रसंस्करण दृष्टिकोण, संस्कृति और धारणा, अवधारणात्मक शैली, पैटर्न पहचान, धारणा पर पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य। सीखने की प्रक्रिया: मूल सिद्धांत: थार्नडाइक, गुथरी, हल शास्त्रीय कंडीशनिंग: प्रक्रिया, घटनाएं और संबंधित मुद्दे वाद्य शिक्षण: घटनाएं, प्रतिमान और सैद्धांतिक मुद्दे; सुदृढ़ीकरण: मूल चर और कार्यक्रम; व्यवहार संशोधन और इसके अनुप्रयोग सीखने में संज्ञानात्मक दृष्टिकोण: अव्यक्त सीखना, अवलोकन सीखना। मौखिक सीखना और भेदभाव सीखना सीखने में हाल के रुझान: सीखने का न्यूरोफिज़ियोलॉजी स्मृति और भूलना स्मृति प्रक्रियाएँ: एन्कोडिंग, भंडारण, पुनर्प्राप्ति स्मृति के चरण: संवेदी स्मृति, अल्पकालिक स्मृति (कार्यशील स्मृति), दीर्घकालिक स्मृति (घोषणात्मक - एपिसोडिक और अर्थपूर्ण; प्रक्रियात्मक) भूलने के सिद्धांत: हस्तक्षेप, पुनर्प्राप्ति विफलता, क्षय, प्रेरित भूलना

6. सोच, बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता

विचार प्रक्रियाओं पर सैद्धांतिक दृष्टिकोण: एसोसिएशनिज्म, गेस्टाल्ट, सूचना प्रसंस्करण, फीचर एकीकरण मॉडल अवधारणा निर्माण: नियम, प्रकार और रणनीति; सोच में अवधारणाओं की भूमिका तर्क के प्रकार भाषा और विचार समस्या समाधान: प्रकार, रणनीति और बाधाएं निर्णय लेना: प्रकार और मॉडल मेटाकॉग्निशन: मेटाकॉग्निटिव ज्ञान और मेटाकॉग्निटिव विनियमन बुद्धिमत्ता: स्पीयरमैन; थर्स्टन; जेन्सेन; कैटेल; गार्डनर; स्टेनबर्ग; गोलेमैन; दास, कर और पर्रीला रचनात्मकता: टॉरेंस, गेट्ज़ेल्स और जैक्सन, गिलफोर्ड, वैलाच और कोगन बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता के बीच संबंध

7. व्यक्तित्व, प्रेरणा, भावना, तनाव और मुकाबला

व्यक्तित्व के निर्धारक: जैविक और सामाजिक-सांस्कृतिक व्यक्तित्व के अध्ययन के दृष्टिकोण: मनोविश्लेषणात्मक, नव-फ्रायडियन, सामाजिक शिक्षा, लक्षण और प्रकार, संज्ञानात्मक, मानवतावादी, अस्तित्ववादी, ट्रांसपर्सनल मनोविज्ञान। अन्य सिद्धांत: रोटर का नियंत्रण बिन्दु, सेलिगमैन की व्याख्यात्मक शैलियाँ, कोहलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धांत। मूल प्रेरक अवधारणाएँ: प्रवृत्तियाँ, आवश्यकताएँ, प्रेरणाएँ, उत्तेजना, प्रोत्साहन, प्रेरक चक्र। प्रेरणा के अध्ययन के दृष्टिकोण: मनोविश्लेषणात्मक, नैतिक, एस-आर संज्ञानात्मक, मानवतावादी खोजपूर्ण व्यवहार और जिज्ञासा ज़करमैन की संवेदना की तलाश उपलब्धि, संबद्धता और शक्ति प्रेरक क्षमता आत्म-नियमन प्रवाह भावनाएँ: शारीरिक सहसंबंध भावनाओं के सिद्धांत: जेम्स-लैंग, कैनन-बार्ड, शैचर और सिंगर, लाजरस, लिंड्सले। भावना विनियमन संघर्ष: स्रोत और प्रकार तनाव और मुकाबला: अवधारणा, मॉडल, प्रकार ए, बी, सी, डी व्यवहार, तनाव प्रबंधन रणनीतियाँ [बायोफीडबैक, संगीत चिकित्सा, श्वास व्यायाम, प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम, निर्देशित कल्पना, माइंडफुलनेस, ध्यान, योगासन, तनाव टीकाकरण प्रशिक्षण]।

8. सामाजिक मनोविज्ञान

सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति, दायरा और इतिहास पारंपरिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण: क्षेत्र सिद्धांत, संज्ञानात्मक असंगति, समाजजीवविज्ञान, मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, सामाजिक अनुभूति। सामाजिक धारणा [संचार, गुण]; सांस्कृतिक संदर्भ में रवैया और उसका परिवर्तन; सामाजिक व्यवहार समूह और सामाजिक प्रभाव [सामाजिक सुविधा; सामाजिक आलस्य]; सामाजिक प्रभाव [अनुरूपता, साथियों का दबाव, अनुनय, अनुपालन, आज्ञाकारिता, सामाजिक शक्ति, प्रतिक्रिया]। आक्रामकता। समूह की गतिशीलता, नेतृत्व शैली और प्रभावशीलता। अंतरसमूह संबंधों के सिद्धांत [न्यूनतम समूह प्रयोग और सामाजिक पहचान सिद्धांत, सापेक्ष अभाव सिद्धांत, यथार्थवादी संघर्ष सिद्धांत, संतुलन सिद्धांत, इक्विटी सिद्धांत, सामाजिक विनिमय सिद्धांत] अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान: स्वास्थ्य, पर्यावरण और कानून; व्यक्तिगत स्थान, भीड़ और क्षेत्रीयता।

9. मानव विकास और हस्तक्षेप

विकासात्मक प्रक्रियाएँ: प्रकृति, सिद्धांत, विकास में कारक, विकास के चरण। सफल बुढ़ापा। विकास के सिद्धांत: मनोविश्लेषणात्मक, व्यवहारवादी और संज्ञानात्मक विकास के विभिन्न पहलू: संवेदी-मोटर, संज्ञानात्मक, भाषा, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक। मनोविकृति विज्ञान: अवधारणा, मानसिक स्थिति परीक्षण, वर्गीकरण, कारण मनोचिकित्सा: मनोविश्लेषण, व्यक्ति-केंद्रित, गेस्टाल्ट, अस्तित्ववादी, स्वीकृति प्रतिबद्धता चिकित्सा, व्यवहार चिकित्सा, आरईबीटी, सीबीटी, एमबीसीटी, प्ले थेरेपी, सकारात्मक मनोचिकित्सा, लेन-देन संबंधी विश्लेषण, द्वंद्वात्मक व्यवहार चिकित्सा, कला चिकित्सा, प्रदर्शन कला चिकित्सा, पारिवारिक चिकित्सा। स्कूल में प्रेरणा और सीखने के सिद्धांतों के अनुप्रयोग शैक्षिक उपलब्धि में कारक शिक्षक प्रभावशीलता स्कूलों में मार्गदर्शन: ज़रूरतें, संगठनात्मक सेट अप और तकनीक परामर्श: प्रक्रिया, कौशल और तकनीक

10. उभरते क्षेत्र

लिंग, गरीबी, विकलांगता और प्रवास के मुद्दे: सांस्कृतिक पूर्वाग्रह और भेदभाव। कलंक, हाशिए पर होना और सामाजिक पीड़ा; बाल उत्पीड़न और घरेलू हिंसा। शांति मनोविज्ञान: हिंसा, अहिंसा, वृहद स्तर पर संघर्ष समाधान, संघर्ष समाधान में मीडिया की भूमिका। कल्याण और आत्म-विकास: कल्याण के प्रकार [सुखद और आनंदमय], चरित्र की ताकत, लचीलापन और अभिघात के बाद का विकास। स्वास्थ्य: स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले और स्वास्थ्य से समझौता करने वाले व्यवहार, जीवन शैली और पुरानी बीमारियाँ [मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कोरोनरी हृदय रोग], मनोविश्लेषणात्मक प्रतिरक्षा विज्ञान [कैंसर, एचआईवी/एड्स] मनोविज्ञान और प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस: डिजिटल शिक्षण; डिजिटल शिष्टाचार: साइबर बदमाशी; साइबर पोर्नोग्राफ़ी: उपभोग, निहितार्थ; डिजिटल उपयोग में माता-पिता की मध्यस्थता।